विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

बुधवार
5 अक्टूबर 2022
डिजिटल संस्करण

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

सासाराम। नोखा थाना क्षेत्र के कदवा गांव में एक महिला की संदेहास्यपद स्थिति में मौत का मामला प्रकाश में आया हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कदवा गांव में एक बीस वर्षीय महिला की हत्या गला दबा कर की गई है। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि कदवा गांव में बीस वर्षीय महिला नौसाद अंसारी की पत्नी रवीना प्रवीन को गला दबा कर हत्या करने की सूचना मिली थी जिस पर पुलिस ने मौके पर जाकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सासाराम भेज दिया गया हैं।

बक्सर से रोहतास जा रहे चोरी की बाइक बेचने तीन धराए

रोहतास। दुर्गा पूजा मंशांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस हाई अलर्ट पर है। वाहन चेकिंग अभियान में बक्सर जिले के दो अंतारजिला अपराधकर्मी समेत तीन की गिरफ्तारी की गई है। ये चोरी की बाइक को बेचने के लिए सासाराम आ रहे थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी आशीष भारती ने मंगलवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तीन लोग एक चोरी की बाइक लेकर कोचस होते हुए सासाराम आ रहे हैं। कोचस थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग शुरू किया गया। इस क्रम में रामपुर सेमरिया रोड पर चेकिंग देख कर एक बाइक पर सवार तीन लोग भागने लगे, जिन्हें पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। पूछताछ में वे बाइक का कोई कागजात नहीं प्रस्तुत कर सके। कड़ाई से पूछताछ करने पर चोरी की बाइक होने की बात सामने आई। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार करते हुए बाइक जब्त कर लिया।

बाइक की में टक्कर पिता-पुत्र को मारी गोली

पटना। दुर्गा पूजा पंडाल देखने आए दो पक्षों के बीच जमकर भीड़त हो गई। जिसमे देखते-देखते गोलीबारी होने लगी है। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों कि मानें तो पटना में बाइक से बाइक की टक्कर के बाद एक पक्ष ने दूसरे पर बंदूक तान दी। दूसरी गाड़ी वाले को इतना गुस्सा आया कि मारपीट के बाद उसने बंदूक से जमकर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें पिता और बेटे को गोली लगी है। दोनों की हालत गंभीर है। गोलीबारी में छोटे लाल यादव और उनके बेटे अशोक कुमार (20) गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को पटना के एम्स में भर्ती कराया गया है।

हाई कोर्ट ने नगर निकाय चुनाव पर लगाई रोक

बढ़ी सरकार की मुश्किलें : करना होगा दोबारा नोटिफिकेशन जारी

- चुनाव में बिना ट्रिपल टेस्ट के आरक्षण सूची जारी करना सरकार पड़ा महंगा
- सरकार पार्षदों के सामान्य सीटों की संख्या बढ़ाकर नोटिफिकेशन दोबारा जारी करें या खटखटाए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

केटी न्यूज/पटना

नगर निकाय चुनाव को लेकर हाई कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने फिलहाल 10 अक्टूबर को होने वाले नगर निकाय चुनाव पर रोक लगाने का फरमान जारी कर दिया है। हालांकि, कोर्ट ने यह साफ कह दिया है की राज्य सरकार अगर चाहती है, तो चुनाव की तारीख आगे बढ़ा सकती है। जिसके कारण सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब सरकार के पास दो ही विकल्प बचे हैं। पहला यह कि पूर्व में जारी आरक्षण सूची के तहत अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए 20% आरक्षित सीटों को जनरल कर नए सिरे से नोटिफिकेशन जारी करें। या फिर सरकार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाए। इधर कोर्ट के फैसले बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने अब कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन, देर शाम तक नोटिफिकेशन आने की उम्मीद जताई जा रही है।

केंद्र सरकार की साजिश के विरोध में आंदोलन करेगी पार्टी: इधर, हाई कोर्ट के फैसले के बाद नीतीश कुमार की सरकार मामले के ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ रही है। जदयू और राजद के खेमे में कोर्ट के फैसले से नाराजगी साफ दिख रही है। पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नगर निकायों के चुनाव में अति पिछड़ा आरक्षण को रद्द करने और चुनाव रोकने का हाई कोर्ट के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा है कि यह निर्णय केन्द्र सरकार व भाजपा की गहरी साजिश का परिणाम है।

उनका मानना है की यदि केंद्र सरकार ने समय पर जातीय जनगणना करवाकर आवश्यक संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी कर दी होती, तो आज यह स्थिति नहीं आती। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार और भाजपा के इस साजिश के खिलाफ जदयू आंदोलन करेगा।

कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को लगाई फटकार

हाई कोर्ट के अनुसार राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत बगैर ट्रिपल टेस्ट के ईबीसी को आरक्षण दे दिया। राज्य निर्वाचन आयोग सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन किए बिना ही चुनाव कराने जा रहा था। जिसको लेकर आयोग को फटकार भी लगाई है। नगरपालिका चुनाव में बगैर ट्रिपल टेस्ट के पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दिया गया था। जिसको लेकर सुनील कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही थी। गुरुवार को इस मामले पर आखिरी सुनवाई होने के बाद कोर्ट ने मंगलवार को इस पर फैसला सुरक्षित किया था।

विशेष आयोग का गठन सुनिश्चित करें सरकार

कोर्ट के अनुसार स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने के लिए राज्य सरकार पहले एक विशेष आयोग का गठन सुनिश्चित करें। सरकार की ओर से गठित आयोग इस बात का अध्ययन करेगा कि कौन सा वर्ग सही में पिछड़ा है। जिसकी रिपोर्ट तैयार करने के बाद उसी आधार पर ही आरक्षण देना तय किया जाना चाहिए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य सरकारें इन शर्तों को पूरा नहीं करती, तब तक अगर किसी राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होता है, तो पिछड़े वर्ग के लिए रिजर्व सीट को भी सामान्य ही माना जाए। जहां देखा जाए तो इस बार नगर निकाय चुनाव के लिए बिहार सरकार। ने 50 प्रतिशत अधिक सीटों को आरक्षित कर दिया था।

आरक्षित सीटों के लिए तीन जांच जरूरी

हाई कोर्ट के बेंच के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल इस संबंध में फैसला जारी किया था। जिसके तहत 2010 में कोई भी राज्य सरकार जब तक आरक्षण के लिए पहले तीन जांच की अर्हता पूरी नहीं कर लेती, तब तक स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जा सकती। जिसको सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को सौंपी थी। बताया जाता है कि तीन जांच के प्रावधानों के तहत ओबीसी के राजनीति पिछड़ापन पर आंकड़े जुटाने के लिए एक विशेष आयोग का गठित करने और आयोग के सिफरिशों के अनुसार नगर निकायो में आरक्षण देना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षण की सीमा कुल उपलब्ध सीटों का पचास प्रतिशत की सीमा से अधिक नहीं हो।

पूजा पंडाल में करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिले के टाउन थाना अंतर्गत चंद्रवंशी नगर में दुर्गा पूजा पंडाल में मंगलवार को करेंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांधीनगर निवासी आदित्य कुमार बताया जा रहा है। जो चंद्रवंशी नगर पूजा समिति का अध्यक्ष बना था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि चंद्रवंशी नगर स्थित मलहचक मोड़ के पास बने पंडाल में मंगलवार को नवमी की पूजा चल रही थी। इस बीच आदित्य पंडाल में गया और पंडाल में डेकोरेशन का काम देखने लगा। इस बीच वह कटे हुए तार कर संपर्क में आ गया। जिसके कारण वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे

लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, मामले में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सभी पूजा पंडालों में सुरक्षा मानकों की जांच शुरू कर दी है। दो दिन पहले यूपी के भदोई में पंडाल में आग लगने से दो बच्चों की जान चली गई थी। जिसके बाद भी पूजा पंडाल में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

डाकबंगला पूजा पंडाल में 5 लाख ने किए दर्शन

- पूजा के आठवें दिन 4 से 5 लाख लोगों ने किया दर्शन

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में दशहरा की धूम देखने को मिल रही है। पटना में कई जगह पंडाल बनाए गए है। पटना के डाकबंगला पूजा पंडाल में सबसे ज्यादा लोग मां के दर्शन और पंडाल देखने के लिए आते है। डाकबंगला पूजा समिति के आयोजकों के अनुसार पूजा के आठवें दिन 4 से 5 लाख लोगों ने दर्शन किया। इतने लोगों को संभालने के लिए बिहार पुलिस के मात्र 40 से 50 अधिकारी और सिपाही पंडाल के आसपास नजर आए।

कोरोना के चलते दो साल बाद इस बार दुर्गा पूजा मनाया जा रहा है। इस लिए मां की पूजा और पंडालों को देखने की होड़ सी लगी है। अष्टमी के दिन डालबंगला पूजा पंडाल के आस पास कई किलोमीटर तक गाड़ियों की कतार धीरे धीरे रेंगती रही। समिति के अनुसार अष्टमी के दिन 4 से 5 लाख लोगों

ने मां दुर्गा दर्शन किए। पंडाल से बहुत पहले ही पंडाल के चारो तरफ गाड़ीयों को लगाने की वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई थी। आलम यह था कि पंडाल के आसपास कई लगभग 10 हजार गाडियां घूमने वाले लोगों की लग गई। रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था को गति देने के लिए जगह जगह ट्रैफिक पुलिस के जवानों के साथ बिहार पुलिस की भी प्रयाप्त तैनाती की गई थी। पंडाल के चारो तरफ गाड़ियों के लिए रोड को ब्लॉक कर दिया। एक तरफ तारामंडल तो दूसरी तरफ से दाकबंगला चौराहा के पास से किसी भी तरह की गाड़ियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। ताकि कुछ दूर पैदल चल कर लोग आसानी से पंडाल भी खूम सके और मां के दर्शन भी कर लें। लेकिन पंडाल के आस पास की भीड़ के बनिष्पद पुलिस बल की तैनाती बहुत ही नगण्य रही पैदल चलने के दुरान पुलिस वाले नदारत रहे।

पानी टंकी बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग एक करोड से अधिक की संपति जल के खाक

अग्निशामक विभाग ने पाई आग पर काबू

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलुआ गांव में स्थित पानी टंकी बनाने वाली एक कंपनी में भीषण आगलगी की घटना हुई है। इस घटना में कंपनी का घर तथा उसमें रखो सामान जल गए है। वहा रखे आधा दर्जन सिलेंडरों में तेज धमाके के साथ विस्फोट भी हुआ। जिससे आस पास के लोग भयजदा हो गए थे। इसकी जानकारी मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंच आग पर काबू पाई। जानकारी के अनुसार बक्सर शिक्षक कॉलोनी के धीरज सिंह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलुआ गांव के मंटू शर्मा के जमीन पर पानी टंकी बनाने की फैक्ट्री चलाते है। मंगलवार को उनके फैक्ट्री में अचानक आग लग गई तथा देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धू-धू कर जलने लगी। फैक्ट्री में आधा दर्जन सिलेंडर भी थे जिनमें विस्फोट भी होने लगा। संयोग से उक्त कंपनी

में दशहरा की छुट्टी चल रही थी तथा वह घर भी गांव से दूर था। जिस कारण जान माल की क्षति नहीं हुई। आशंका जताई जा रही है कि शर्ट सर्किट से आगलगी की घटना हुई है। जबकि इस घटना में एक से डेढ़ करोड़ के संपति के नुकसान की बात भी बताई जा रही है। हालांकि इस संबंध में समाचार लिखे जाने तक कंपनी संचालक द्वारा स्पष्ट नहीं बताया गया था कि कितने का नुकसान हुआ है। लेकिन ऐसा आंकलन लोगों द्वारा किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग के कर्मी के साथ ही मुफस्सिल थानाध्यक्ष अमित कुमार मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिए। उन्होंने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि इसके कारणों की पड़ताल की जाएगी।

बेमौसम बारिश की मार से रो रहे दुकानदार

- अगले 48 घंटों तक बारिश की संभावना जताई गयी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में 2 साल बाद फिर से आयोजित दुर्गा मेले पर बेमौसम बारिश की मार पड़ रही है। कई जिलों में सोमवार की रात से हो रही बारिश के चलते मेले का मजा किरकिरा हो गया है। जगह जगह पर बनाये गए दुर्गा पूजा पंडालों में बारिश का पानी घुस गया है और लगातार बारिश से पंडाल अस्त व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने सूबे के कई जिलों में येलो अलर्ट भी जारी किया है। पटना में सोमवार को आंधी के साथ बारिश में कई पंडाल उखड़ गए। पंडालों के तोरण द्वार भी उखड़ गए। नवमी के दिन बारिश के चलते मेले में खास रौनक नहीं दिखी। लोग घरों से नहीं निकल रहे

हैं। ऐसे में दुकानदारी की आस में बैठे लोगों को इस बार निराशा ही हाथ लग सकती है। सूबे के 13 जिलों में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी पटना समेत सूबे के अन्य जिलों में अगले 2 दिनों तक बारिश के आसार बने हुए हैं। अष्टमी और नवमी पर बारिश के बाद फींका पड़ रहे दुर्गा मेले में दशहरा के दिन भी रौनक लौटने की उम्मीद नहीं दिख रही है। अगले 48 घंटों तक बारिश की संभावना जताई गयी है।

गया में मानसून का मिजाज मंगलवार की सुबह से ही बदल गया है। जिले में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। वहीं खगड़िया में भी बारिश होने से जन जीवन प्रभावित हुआ है। सोमवार की देर रात से ही मुंगेर और कटिहार में लगातार हो रही बारिश ने लोगों को घरों पर कैद कर दिया है। बिहार के कई जिलों में मंगलवार सुबह से ही बारिश हो रही है।मौसम विभाग ने तात्कालिक येलो अलर्ट जारी कर 13 जिलों में बारिश की आशंका जताई है। पटना, नालंदा, गोपालगंज, सीतामढ़ी, छपरा, सीवान, वैशाली, नवादा, बेगूसराय, गया, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, शेखपुरा जिले में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में अगले 2 दिनों तक बारिश की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे चक्रवातीय मौसम का असर अगले 2 दिनों तक बना रह सकता है।

बारिश की मार सह रहे छोटे दुकानदार

दुर्गा मेले में कमाने की सोचने वाले छोटे दुकानदारों पर मौसम की मार पड़ रही है। ठेले पर खिलौने बेचने वाले और खाने पीने का सामान बेचने वाले छोटे दुकानदारों की लागत भी डूब सकती है। बीते दो साल से कोरोना के चलते दुर्गा मेला इस बार आयोजित हो पाया है। ऐसे में अपनी पूंजी लगाकर मेले में दुकान कर रहे दुकानदारों को घाटा झेलना पड़ सकता है। कर्ज लेकर मेले में कमाकर चुकाने की आस में बैठे दुकानदारों पर बारिश का बुरा असर पड़ रहा है।

पांच दिन पूर्व एक ही परिवार के तीन सदस्यों को एसिड से जलाया, नही हुई एफआईआर

- थानाध्यक्ष बोले नही है घटना की जानकारी, बोले पीड़ित मिल रही है धमकी
- बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव हुई घटना

केटी न्यूज/रोहतास

29 सितम्बर को रोहतास के विक्रमगंज में एक ही परिवार के तीन लोगों पर एसिड अटैक का मामला प्रकाश में आया है। घटना में मां, बेटी व बेटा बुरी तरह जल गए हैं। जिसके बाद परिवार के तीनों सदस्यों का इलाज नारायण मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, जमुहार में चल रहा है। मामले में बताया जाता है कि घटना जिले के बिक्रमगंज प्रखण्ड क्षेत्र के शिवपुर गांव की है। जहां पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस उन्हें धमकी दे रही है। उनका अरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रेस को जानकारी देने पर फंसाने की धमकी भी दी है। वहीं घटना के पांच दिन बाद भी अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। सूत्रों कि मानें तो घटना 29 सितंबर की रात नौ बजे की है। शिवपुर गांव में भुल्लु शाह के घर में घुस कर मां, बेटे और बेटी पर तेजाब फेंक दिया और इसके बाद बाइक से भाग निकले। एसिड अटैक में भुल्लु की पत्नी कांति देवी 35 साल, बेटा रितेश कुमार 14 साल एवं बेटी नेहा 11 साल घायल हो गए आननफानन में परिजन उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज ले गए, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर कर दिया। अभी उनका इलाज एनएमसीएच में चल रहा है। चित्तसकों के अनुसार एसिड अटैक में मां और बेटी बुरी तरह जली हैं जबकि बेटा आंशिक रूप से जला है। पांच दिन बाद भी बिक्रमगंज थाने प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। अनुमण्डलीय अस्पताल, बिक्रमगंज के प्रिसक्रिप्शन पर साफ-साफ एसिड अटैक लिखा हुआ है। इस संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि 29 सितंबर की रात की घटना है। तीनों घायलों को अनुमण्डलीय अस्पताल से रेफर कर दिया गया था, पुलिस जब अस्पताल में पहुंची तो फर्द बयान नहीं हो सका। यह पूछे जाने पर कि अब तक फर्द बयान क्यों नहीं हुआ, तो थानाध्यक्ष ने कहा कि यह जानकारी नहीं थी।

CMYK

उपद्रवियों पर पैनी नजर

गाजीपुर: एसपी ने मेला की संभाली कंमान

केटी न्यूज। पुलिस अधीक्षक के साथ दुर्गा पूजा मेंला के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रूट मार्च कर विभिन्न चौराहों एवं स्थलों पर बनाए गए पंडालों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था प्रबंध का जायजा लिया तथा दुर्गा पूजा समितियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते भी देखे गए ....

जहानाबाद संगम घाट स्थित ठाकुरबाड़ी की मूर्ति और पंडाल

619 जगहों पर बना पूजा पंड़ाल 41 स्थानों पर होगा रावण दहन

केटी न्यूज/बलिया

दशहरा पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है। दर्शन-पूजन के लिये भीड़ भी जुट रही है। दशहरा के दिन दर्जनों जगहों पर रावण का पुतला जलाया जायेगा तथा मेला का भी आयोजन होगा। इसको देखते हुए जवानों की गश्त भी बढ़ा दी गयी है। प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक जिले में 619 जगहों पर स्थापित पूजा पंडाल में स्थापित है। तकरीबन सभी पंडाल की निगरानी की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों को दी गयी है। उन जगहों पर भी पुलिस को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है जहां पर रावण वध अथवा मेला का आयोजन होने वाला है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार ऐसे 41 जगह हैं। इनमें शहर में दो जगह भृगु आश्रम व रामलीला मैदान, फेफना में मटिहीं बाजार, नरहीं में मंगला भवानी मंदिर, चितबड़ागांव में रामशाला व नागपुरा बाजार, हल्दी में रामगढ़, रेवती कस्बा, बांसडह में प्रावि खरौनी, सिकन्दरपुर में जल्पा स्थान, खेजुरी में बहेरी, रसड़ा में श्रीनाथ बाबा, नगरा में सलेमपुर, डिहवां, जनता इंका, ताड़ीबड़ागांव, सरया बगडौरा, भीमपुरा में बरौली, करौंदी, उधरन, चारौंवा, महरी, औराई कलां, शाहपुर टिटिंहा, कुसहां रसीदपुर, लोहता पचदौरा, रामपट्टी तासपुर, बराइच, उभांव में कस्बा के बिठुआ मार्ग व बेल्थरा बाजार चट्टी शामिल है।

मूर्ति विसर्जन को बने अस्थाई तलाबों का डीएम-एसपी ने किया किया निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्र ने दशहरा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर शहर के चौराहों, स्थलों और पंडालों का निरीक्षण किया। उन्होंने दशहरा पर गंगा नदी के पानी प्रदूषित न हो, इससे बचाव केलिए रजागंज पुल के पास मूर्ति विसर्जन के लिए बने अस्थायी तलाबों का भी निरीक्षण करते हुए अधिकारियों सहित कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिया। डीएम व एसपी ने दशहरा त्योहार पर रामलीला मैदान लंका में आयोजित मेला एवं रावण दहन कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिया। डीएम ने सभी लोगों से अपील किया कि पांच अक्तूबर को रावण दहन लंका मैदान में किया जाएगा। मेले के आयोजन पर आने जाने वाले सड़कों पर भीड़-भाड़ एवं मेला स्थल पर भी भीड़ की संख्या ज्यादा रहेगी, जिससे लोग शांतिपूर्वक ढंग से मेले का आनंद उठाए। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोई भी व्यक्ति सहायता केंद्र पर जाकर तत्काल संपर्क कर सकता है। इस दौरान उपजिलाधिकारी प्रतिभा मिश्रा, एसपी सिटी, क्षेत्राधिकारी सदर, जिला सूचना अधिकारी राकेश कुमार, ईओ नगर पालिका, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

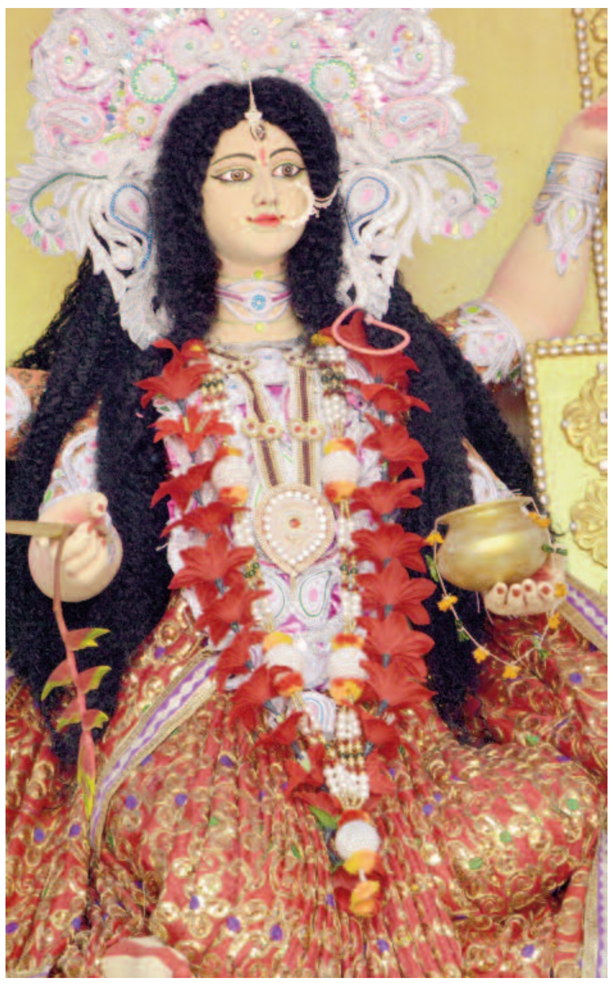

देवीमय हुआ जिला, नवमी पर परंपरागत तरीके से हुई कन्या पूजन

बारिश के बीच जारी रहा दशहरा मेला का उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

शारदीय नवरात्र के नवमी को विद्या, श्री व शक्ति की अराध्य देवी मां दुर्गा के प्रति आस्था चरम पर पहुंच गया था। अहले सुबह से ही देवी मंदिरों व पूजा पंडालों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा था। जिन श्रद्धालुओं ने अपने घरों में कलश स्थापित कर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया था। उनका नौ दिवसीय अनुष्ठान भी हवन के साथ पूरा हुआ। परंपरागत तरीके से नवकन्या का पूजन व भोजन कराया गया। पूरे दिन हुई बारिश के बावजून न तो लोगों की आस्था कम हुई और नहीं मेला घुमने वालों का उत्साह कम पड़ा। सुबह से देर रात तक जिले का चप्पा चप्पा गुलजार रहा। शहरी नवमी के दिन दशहरा मेला अपने चरम पर पहुंच गया था। दोपहर से शाम तक रूक-रूक कर हुई तेज बारिश के बाजवूद मेला घुमने वालों की भीड़ कम नहीं हुई। देर रात तक लोग मेला में लुफ्त उठाते रहे। बक्सर तथा डुमरांव में मेला के दौरान रिकार्ड भीड़ देखने को मिली। इसके अलावे डुमरांव के काली मंदिर सहित सभी देवी मंदिरों में देर रात तक श्रद्धालुओं के आने जाने का सिलसिला जारी रहा। नवमी पर भक्तों के उत्साह से माहौल देवीमय बन गया था।

बलिया: हैवानियत की हद रिंकू ने पेश की मानवता की मिशाल

केटी न्यूज/बलिया

गड़वार थाना क्षेत्र के कनैला गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार की देर रात झाड़ी में एक नवजात जिंदा हालत में मिला। मानवता का परिचय देते हुए गांव के ही रिंकू गोंड़ व उनकी पत्नी ने बच्चे को गोद ले लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात के बारे में तफ्तीश की। मेडिकल जांच के अनुसार नवजात पैदा हुए मुश्किल से 2 या 3 घंटे हुआ था। ऐसे में गड़वार थानाध्यक्ष ने अपनी देख रेख में नवजात को दंपत्ति को सुपुर्द कर दिया। इस तरह नवजात को माँ और बाप दोनों मिल गए।

बक्सर नगर के ठठेरी बाजार मोड़ पर बनायी गई विस्थापित हिन्दुओं की दर्शायी जा रही कहानी........

नया बाजार में श्मशान के मध्य में बनायी गई मां की प्रतिमा जिसमें समिति के द्वारा एक ही म्यूजिक बजाया जा रहा है राम नाम सत्य है बाकी सब असत्य है.......

बारिश पर भारी पड़ी आस्था की भीड़

मेन रोड में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सिंडिकेट के पास स्वचालित प्रतिमाएं जो बच्चों को काफी व युवओं को काफी हंसा रही है...........

चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव में केदारनाथ मंदिर के स्वरुप में बना पंडाल

नया भोजपुर चौक पर स्थापित मां दुर्गे का भव्य स्वरूप

टीचर ट्रेनिंग स्कूल के पास बना मां दुर्गे का पंडाल

डुमरांव के गौशाला रोड़ में भुल-भुलईया के तर्ज पर बना पंडाल

एक नजर

विश्व कल्याण व भारत को समृद्ध बनाने के उदेश्य से किया जा रहा है महायज्ञ: जीयर स्वामी

महायज्ञ के उदेश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वामी जी महाराज ने कहा कि इस महायज्ञ का आयोजन विश्व कल्याण व भारत को समृद्ध बनाने के उदेश्य से किया जा रहा है। उन्होंने जलभरी यात्रा में शामिल होने के लिए सभी श्रद्धालुओं तथा आम आवाम को संदेश भी दिया था। वही महायज्ञ समिति से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसमें एक प्रधान यज्ञ मंडल के साथ ही 128 यज्ञ मंडप बनाए गए है। जबकि 300 श्रद्धालु यजमान बन महायज्ञ में कथामृत का पान करेंगे। जबकि पूरे दिन भंडारें में श्रद्धालुओ को प्रसाद ग्रहण कराया जा रहा है।

जय श्रीमन्नारायण की जयघोष से गूंजा दियारांचल

भव्य जलभरी के साथ श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ शुरू

- हाथी, घोड़े, रथ के साथ लाखों श्रद्धालु हुए शामिल, आज होगा अरणी मंथन
- नौ अक्टूबर को होगा 1008 कुंडीय महायज्ञ का समापन
- लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के नेतृत्व में आयोजित हुआ है महायज्ञ
- जनेश्वर मिश्र सेतु के पास हो रहा महायज्ञ
- यूपी बिहार के महासंतों का लगेगा जमावड़ा

बलिया/बक्सर। अंतरराष्ट्रीय संत लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के चतुमार्स के समापन पर आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ मंगलवार को जलभरी के साथ शुरू हुआ। बुधवार को अरणी मंथन के साथ महायज्ञ का विधिवत उदघाटन होगा। जबकि इसकी पूणार्हूति नौ अक्टूबर को होगी। महर्षि भृगु के पावन भूमि तथा मोक्ष दायिनी मां गंगा के पावन तट पर आयोजित महायज्ञ स्थल से निकली जलभरी यात्रा भृगु क्षेत्र बलिया का भ्रमण करते हुए मां गांगा के पावन तट पहुंचा। जहा महायज्ञ में कुंड लेने वाले श्रद्धालु ने अपने-अपने कलश मे पवित्र गंगाजल भर पुन: यज्ञ स्थल पहुंचे। जलभरी यात्रा काफी भव्य था। महायज्ञ में यजमान बने श्रद्धालुओं के अलावे लाखों की संख्या में नर नारी इस जलभरी यात्रा में शामिल हुए। इसके साथ हाथी, घोड़ा, रथ तथा देश के कोने-कोने से आए संत समाज शामिल थे। जलभरी में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के साथ ही समीपवर्ती बिहार, झारखंड तथा बंगाल तक से स्वामी जी महाराज के शिष्य आए थे। एनएच 31 के किनारे जनेश्वर मिश्र सेतु के अप्रोच पथ के किनारे स्थित महायज्ञ स्थल एक बड़े क्षेत्र में बनाया गया है। लेकिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से पूरा यज्ञ मंडप के साथ-साथ एनएच 31 तथा जनेश्वर मिश्र सेतु का अप्रोच पथ पट गया था। सुबह से शाम तक वहा श्रद्धालुओं व साधु संतो का तांता लगा रहा। कई लोग तो जलभरी में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही आ गए थे। जबकि सप्ताह भर पहले से महायज्ञ स्थल पर साधु संतों का आगमन शुरू हो गया था। जलभरी के साथ ही भृगु क्षेत्र बलिया तथा महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि बक्सर का वातावरण भक्तिमय बन गया है। कलशयात्रा में लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना पर शासन प्रशासन के अधिकारी व पुलिस के जवान पूरे दिन मुश्तैद थे। लेकिन जलभरी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के अनुशासन व भक्तिभाव के आगे शासी अधिकारियों व पुलिस के जवानों को कोई खास परेशानी नहीं उठानी पड़ी। गौरतलब है कि महायज्ञ स्थल बिहार व यूपी के सीमावर्ती इलाके में स्थित है। जिस कारण दोनों प्रदेशों के सीमावर्ती जिलों के श्रद्धालुओं मेंउत्साह बढ़ गया है।

तिलक कुमार/रजनीकांत दूबे
फोटो/मनीष कुमार...

यज्ञाचार्य द्वारा कराई गयी वैदिकमंत्रों से कलश पूजन

बलिया: कलश यात्रा से पूर्व यज्ञाचार्य विजय राघव पंडित के नेतृत्व में प्रधान कलश की पूजा की गई। सर्व प्रथम पूज्य जीयर स्वामी जी के समक्ष यज्ञ कलाश की वैदिक पूजा हुई। फिर वहां से सभी यज्ञिक ब्राह्मण यजमानों के साथ यज्ञशाला गए। जहां उसकी पूजा की गई। फिर निकली भव्य कलश यात्रा। इस दौरान उपर से फूल बरसाए गए और भक्त नारायण के नाम के जयकारे लगा रहे थे।

हाथों में जलभरी के कलश लिए गंगातट पर जाते श्रद्धालु

आठ अक्टूबर को आयोजित होगा धर्म महासम्मेलन

केटी न्यूज। बलिया/ बक्सर

अंतर्राष्ट्रीय संत तथा लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज द्वारा भृगु क्षेत्र बलिया में आयोजित करवाए गए श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान आठ अक्टूबर को ह्लअखिल अंतर्राष्ट्रीय धर्म महासम्मेलन सह अंतर्राष्ट्रीय मानवता संस्कृति जागरण सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के कोने कोने से संत समाज, विद्वत समाज के साथ ही अपने विशिष्ट गुणों से समाज में ख्याति पाने वाले सैकड़ो गणमान्य शामिल होंगे। धर्म महासम्मेलन के दौरान संतो की अमृत वाणी व दर्शन का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा। महायज्ञ आयोजन समिति से जुड़े संतो तथा लोगों द्वारा इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। महान संत जीयर स्वामी जी महाराज की अध्यक्षता में होने वाले इस धर्म महासम्मेल के प्रति इलाकाई लोगों में भी गहरी रूचि है। लोग अभी से ही देश के ख्याति प्राप्त संतो के दर्शन को लालायित हो उठे है। जबकि मानवता व संस्कृति जागरण जैसे मुद्दे के प्रति भी लोगों का आकर्षण बढ़ गया है। भृगु क्षेत्र में शायद पहले ऐसे महायज्ञ का आयोजन हो रहा है जिसमें वैदिक विधान व हवन के साथ ही मानवता व संस्कृति की रक्षा के लिए प्रयास किया जा रहा है।

बता दें कि जीयर स्वामी जी महाराज वर्षों से धर्म की स्थापना के साथ-साथ लोगों को अपनी संस्कृति की रक्षा तथा उसे बढ़ाने की प्रेरणा देते रहे है। वे हमेश मानव की सेवा व मानवता की रक्षा की सीख भी देते है। महाया के दौरान इस विषय को खुले मंच से शामिल करने के बाद लोगों की आस्था और दिलचस्पी और बढ़ गई है। लोग दुगने उत्साह से इस आयोजन को सफल बनाने में लग गए है।

जलभरी के लिए यज्ञ मंडप की तरफ जाते भक्त

शिक्षा के साथ संस्कार नहीं तो वह बोझ के समान: जीयर स्वामी

- बलिया में चल रहा है स्वामी जी का चातुर्मास व्रत

केटी न्यूज/बलिया

प्रधान कलश के साथ यजमान बने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व राज्य सभा सांसद

सृष्टि के आदि में ब्रह्मा जी द्वारा मनु सतरूपा हुए। इन दोनो से गृहस्थ मयार्दा द्वारा तीन कन्या तथा दो पुत्र प्रकट हुए। पृथ्वी के प्रथम सम्राट मनु जी महाराज है और प्रथम राजा रानी सतरूपा जी हैं। उस समय न कोई अन्य देश था, न कोई प्रदेश था, न कोई दूसरा राजा। आकूति, देवहूति तथा प्रसूति। दो पुत्र हुए प्रियव्रत और उत्तानपाद, मनु जी महाराज ने मर्यादा से अपने पुत्र पुत्रियों का पालन पोषण करने लगे। धन्य हैं मनु सतरूपा जो अपने पुत्र पुत्रियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए। माता - पिता को जहां तक सामर्थ्य हो अपने संतान को शिक्षा दें और शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दें। आज हम शिक्षा तो दे रहे हैं परंतु संस्कार नहीं दे रहे हैं। केवल शिक्षा हो संस्कार नहीं हो तो वह शिक्षा हमारे लिए विनाश का कारण बन जाती है। बेटा हो या बेटी लोग कहते हैं मेरा बेटा, मेरी बेटी इंजीनियरिंग, डॉक्टरी पढ़ रही है। अच्छी बात है लेकिन ज्यों ही रिजल्ट आने का समय आता है। तत्काल बेटे बेटी के यहां से ऑफर आ जा रहा है। अपनी शादी स्वयं से कर ले रहें हैं।

और भी बहुत कुछ हो रहा है। जिसका उल्लेख यहां करना उचित नहीं है। अगर शिक्षा के साथ संस्कार होता है तो वह शिक्षा हमारी साधना में परिणत हो जाती है। समाधान में परिणत हो जाती है। हमारे जीवन के लिए श्रृंगार बन जाती है। हमारे जीवन के लिए उपहार बन जाती है। यदि शिक्षा के साथ साथ संस्कार नहीं हो तो वह शिक्षा हमारे लिए बोझ बन जाती है। संस्कार के अभाव में 15 दिनों में ही शादी टुट जाती है।

यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं होगा तो करोड़ो दुशासन पैदा होंगे हर घर की लज्जा लुट ली जाएगी। इसलिए संस्कार के महत्व को समझें। यह बातें पूज्य जीयर स्वामी जी महाराज ने अपने प्रवचन के दौरान कहीं। इन दिनों उनका चातुर्मास्य व्रत उत्तर प्रदेश के बलिया में जनेश्वर सेतु के समीप चल रहा है।

मूसलाधार बारिश में भी नहीं कम हुई भक्तों की अपार श्रद्धा

केटी न्यूज/ डुमरांव : परम श्रद्धेय लक्ष्मी प्रपन्ना जियर स्वामी जी महाराज द्वारा आहूत चतुर्मास महायज्ञ का भव्य जल यात्रा मंगलवार को था। हर बार की तरह इस जल यात्रा में भी हजारों की भीड़ उपस्थित हुई थी। शाहाबाद के चारों जिला के अलावे उत्तर प्रदेश के हिस्से से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचे थे। दोपहर में एन वक्त पर शुरू हुई बारिश की हल्की फुहार ने तेज रफ्तार धारण किया और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बावजूद इसके परम पूज्य जीयर स्वामी जी के प्रति लोगों की श्रद्धा और उत्साह में कोई कमी नहीं आया। उस वक्त उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री बलिया विधायक दयाशंकर सिंह अपने सैकड़ों समर्थक और कार्यकताओं के साथ बारिश में भीगते हुए व्यवस्था

को संभालने में लगे थे तो राज्यसभा सांसद नीरज शेखर अपने समर्थकों के साथ व्यवस्था में तत्पर थे। यज्ञ समिति के लोग प्रत्येक आने जाने वाले लोगों को जलपान कराने तथा उनकी सुविधा के अनुरूप व्यवस्था बनाने में लगे थे तो जमकर हो रही बरसात के बावजूद श्रद्धालु भक्तों का यज्ञ स्थल पर पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी था। जो लोग पहली बार इस व्यवस्था तथा पूज्य जीयर स्वामी जी द्वारा आयोजित महायज्ञ का जल यात्रा को देख रहे थे वे आश्चर्यचकित थे। श्री जीयर स्वामी जी दैनिक दिनचर्या के तहत अपने आसन पर बैठकर लोगों के कुशल क्षेम जानने में लगे थे। हजारों की भीड़ स्वत: अनुशासित और नियंत्रित थी। बारिश के बावजूद जल यात्रा का क्रम जारी था। श्रद्धालु भक्तों ने पतित पावनी मां गंगा को स्पर्श कर मस्तक पर चढ़ाया और मां से प्रार्थना के बाद जल यात्रा के लिए जलभरी किया।